

# VIDYA BHAWAN BALIKA VIDYA PITH

## शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय बिहार

Class 12 commerce Sub. ECO/B Date 17.05.2021

Teacher name – Ajay Kumar Sharma

### Indian Economy 1950–1990 (R.Notes)

#### Indian Economy 1950–1990

**Economic Planning** - A system where a central authority, in this case, Planning Commission, now NITI Ayog, in India sets a set of targets and mention sit programmes to be achieved within a specific period of time.

**NEED OF PLANNING IN INDIA:** Owing to the backwardness and stagnation in the economy it could not be left in the hands of market forces of supply and demand to make way for growth and development. A heavy investment supported by the government was required and therefore Planning in India was needed.

#### **DIRECTIVE AND COMPREHENSIVE PLANNING**

**Directive Planning:** System of planning where planning is just used to direct the forces of supply and demand. There is no direct participation of the state in the process of growth and is solely there for ensuring law and order. This principal is mostly pursued in capitalist economies.

**Comprehensive Planning:** System in which government participates in the process of growth and development. This planning is mostly pursued in mixed and socialist economies

TYPES OF ECONOMIES - CAPITALIST, SOCIALIST AND MIXED ECONOMIES

#### **CAPITALIST ECONOMY**

An economy where the means of production are owned by individuals who can freely take their decisions by the motive of profit-maximization is called a capitalist economy.

#### **Features of Capitalist Economy are:**

1. Private ownership of means of production
2. Profit maximization is the primary motive and government is confined to ensure law an order.

#### **Merit:**

1. Promotes self- interest, profit maximization and acceleration of GDP growth.

#### **Demerit:**

1. The collective interest of society ignored.
2. Production of only high-profit goods.
3. Growth without social justice.

#### **SOCIALIST ECONOMY**

The economy in which there is social ownership of means of production and the important decisions are taken by some central authority of the government with a view of maximising social welfare is called a socialist economy.

#### **Features of Socialist Economy are:**

1. Collective ownership of means of production.
2. Maximised social welfare due to direct participation of the state.

**Merit:**

Tries to achieve equality in the distribution of income, along with inclusive growth and social justice.

**Demerits:**

1. Slow GDP growth
2. Profit maximization replaced by the principle of 'Equity and Justice'

**MIXED ECONOMY**

An economy which has both private and public ownership of means of production is called Mixed economy.

**Features of Mixed economy are:**

1. Private and government(public) ownership.
2. Profit- maximization is the governing principle in decisions for Private ownership and Social welfare in Govt or Public ownership.

**Merit:** Combines the best features of both capitalist and socialist economies like GDP growth ensured by Private entrepreneurs and social justice by government.

**Demerit:** Government sector often inflicted with corruption therefore a low level of efficiency.

**भारतीय अर्थव्यवस्था 1950-1990**

आर्थिक योजना - एक प्रणाली जहां एक केंद्रीय प्राधिकरण, इस मामले में, भारत में योजना आयोग, अब नीति आयोग, लक्ष्यों का एक सेट निर्धारित करता है और एक विशिष्ट अवधि के भीतर हासिल किए जाने वाले कार्यक्रमों का उल्लेख करता है।

भारत में योजना की आवश्यकता: अर्थव्यवस्था में पिछड़ेपन और ठहराव के कारण इसे विकास और विकास के लिए रास्ता बनाने के लिए आपूर्ति और मांग की बाजार शक्तियों के हाथों में नहीं छोड़ा जा सकता था। सरकार द्वारा समर्थित भारी निवेश की आवश्यकता थी और इसलिए भारत में योजना की आवश्यकता थी।

**निर्देशक और व्यापक योजनाLAN**

निर्देशक योजना: योजना की प्रणाली जहां योजना का उपयोग केवल आपूर्ति और मांग की ताकतों को निर्देशित करने के लिए किया जाता है। विकास की प्रक्रिया में राज्य की कोई प्रत्यक्ष भागीदारी नहीं है और यह पूरी तरह से कानून और व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए है। यह सिद्धांत ज्यादातर पूंजीवादी अर्थव्यवस्थाओं में अपनाया जाता है।

व्यापक योजना: प्रणाली जिसमें सरकार वृद्धि और विकास की प्रक्रिया में भाग लेती है। यह योजना ज्यादातर मिश्रित और समाजवादी अर्थव्यवस्थाओं में अपनाई जाती है

### अर्थव्यवस्थाओं के प्रकार - पूंजीवादी, समाजवादी और मिश्रित अर्थव्यवस्थाएं

#### पूंजीवादी अर्थव्यवस्था

एक अर्थव्यवस्था जहां उत्पादन के साधनों का स्वामित्व उन व्यक्तियों के पास होता है जो लाभ-अधिकतम करने के उद्देश्य से स्वतंत्र रूप से अपने निर्णय ले सकते हैं, पूंजीवादी अर्थव्यवस्था कहलाती है।

पूंजीवादी अर्थव्यवस्था की विशेषताएं हैं:

1. उत्पादन के साधनों का निजी स्वामित्व
2. लाभ को अधिकतम करना प्राथमिक उद्देश्य है और सरकार कानून को एक आदेश सुनिश्चित करने के लिए सीमित है।

योग्यता:

1. स्व-हित, लाभ को अधिकतम करने और सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि में तेजी को बढ़ावा देता है।

अवगुण:

1. समाज के सामूहिक हितों की अनदेखी की गई।
2. केवल उच्च लाभ वाली वस्तुओं का उत्पादन।
3. सामाजिक न्याय के बिना विकास।

#### समाजवादी अर्थव्यवस्था

वह अर्थव्यवस्था जिसमें उत्पादन के साधनों का सामाजिक स्वामित्व होता है और सरकार के कुछ केंद्रीय प्राधिकरण द्वारा सामाजिक कल्याण को अधिकतम करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाते हैं, समाजवादी अर्थव्यवस्था कहलाती है।

समाजवादी अर्थव्यवस्था की विशेषताएं हैं:

1. उत्पादन के साधनों का सामूहिक स्वामित्व।
2. राज्य की प्रत्यक्ष भागीदारी के कारण अधिकतम सामाजिक कल्याण।

योग्यता:

समावेशी विकास और सामाजिक न्याय के साथ-साथ आय के वितरण में समानता प्राप्त करने का प्रयास करता है।

अवगुण:

1. धीमी जीडीपी वृद्धि
2. लाभ अधिकतमकरण 'इक्विटी और न्याय' के सिद्धांत द्वारा प्रतिस्थापित किया गया

मिश्रित अर्थव्यवस्था

एक ऐसी अर्थव्यवस्था जिसमें उत्पादन के साधनों पर निजी और सार्वजनिक दोनों तरह का स्वामित्व होता है, मिश्रित अर्थव्यवस्था कहलाती है।

मिश्रित अर्थव्यवस्था की विशेषताएं हैं:

1. निजी और सरकारी (सार्वजनिक) स्वामित्व।

2. लाभ- अधिकतमकरण सरकार या सार्वजनिक स्वामित्व में निजी स्वामित्व और सामाजिक कल्याण के निर्णयों में शासी सिद्धांत है।

योग्यता: पूंजीवादी और समाजवादी दोनों अर्थव्यवस्थाओं की सर्वोत्तम विशेषताओं को जोड़ती है जैसे कि निजी उद्यमियों द्वारा सुनिश्चित जीडीपी विकास और सरकार द्वारा सामाजिक न्याय।

अवगुण: सरकारी क्षेत्र अक्सर भ्रष्टाचार से ग्रस्त होता है इसलिए दक्षता का निम्न स्तर होता है।